www.efaschool.edu.in

July 2022

EFA SCHOOLS

India's First Handwritten School Magazine

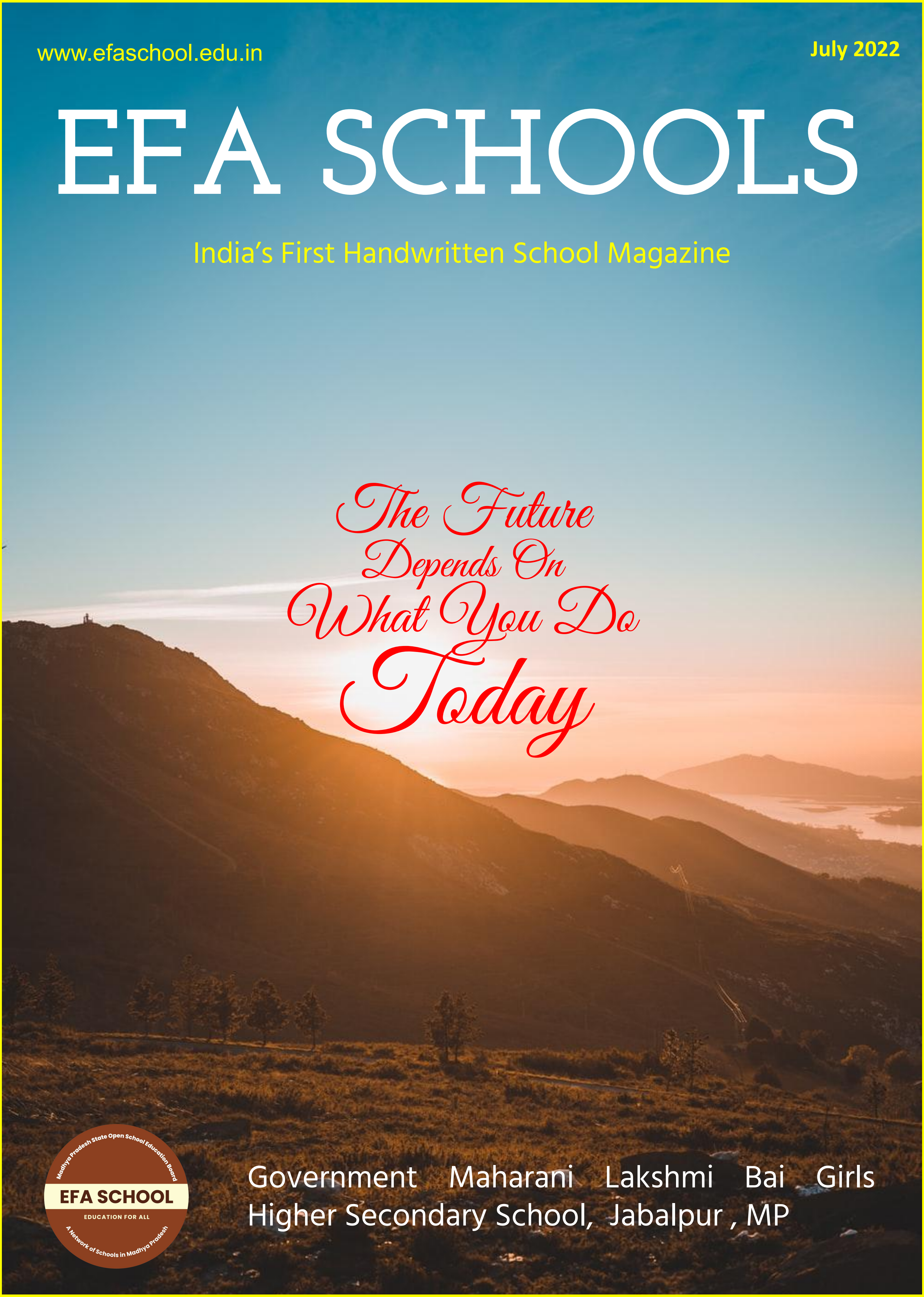

The Future Depends On What You Do Today

Government Maharani Lakshmi Bai Girls Higher Secondary School, Jabalpur, MP

Madhya Pradesh State Open School Education Board
EFA SCHOOL
EDUCATION FOR ALL
A Network of Schools in Madhya Pradesh

म.प्र. राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड, भोपाल

(पूर्व - म.प्र. राज्य ओपन स्कूल)

स्कूल शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन

शिवाजी नगर, भोपाल - 462011

Phone : 0755 - 2671066, 0755 - 2552106

Web Site : www.mpsos.nic.in

E-Mail : mpsos@rediffmail.com

क्रमांक/एस.ओ.एस.ई.बी./ईएफए/3127/2022/ भोपाल, दिनांक 28/07/22

शुभकामना संदेश

--00--

1. ई.एफ.ए. विद्यालय पत्रिका के विमोचन के अवसर पर सभी प्राचार्य, शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।
2. ई–विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों के अपने रचनात्मक विचारों को व्यक्त करने और अपने विचारों व धारणाओं की मौलिकता को प्रोत्साहित करने का एक मंच है। पत्रिका की सामग्री विद्यार्थियों के विचारों और उनकी कल्पनाओं की प्रतिभा के मिश्रण को दर्शाती है।
3. मैं विद्यार्थियों की क्षमता और प्रतिभा को दिखाने के लिए उत्तम प्रयास हेतु सम्पादकीय समूह की सराहना करता हूं।

शुभकामनाओं सहित,

28.7.22

(प्रभात आर तिवारी)

संचालक

म.प्र.राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड

School Publication Team

NAME	POST	MEMBER ROLE
SMT PRABHA MISHRA	PRINCIPAL	TEACHER EDITOR
SMT SADHANA SHUKLA	UMS	TEACHER EDITOR
NEERJA VYAS	LECTURER	TEACHER EDITOR
SAMITA JAGGI	UMS	TEACHER EDITOR
DR SANDHYA JAIN	UMS	TEACHER EDITOR
HANSIKA MISHRA	9A	STUDENT REPORTER
KHUSHI PATEL	9A	STUDENT REPORTER
TEJPATTI PATEL	9A	STUDENT REPORTER
KAJAL JAIN	9A	STUDENT REPORTER
SEJAL BARMAN	9A	STUDENT REPORTER
PARI BURMAN	9A	STUDENT REPORTER
BULBUL ATMA	9B	STUDENT REPORTER
NANDINI SAHU	9A	STUDENT REPORTER
SAVI GAUTAM	10D	STUDENT REPORTER
ANU MISHRA	10D	STUDENT REPORTER
SHREYA PATEL	10D	STUDENT REPORTER
MANSI PATEL	10D	STUDENT REPORTER
PRIYANKA RAI	11C	STUDENT REPORTER
SHALINI RAJAK	11D	STUDENT REPORTER
PALAK LAKHERA	11B	STUDENT REPORTER
SIMRAN KUSHWAH	11B	STUDENT REPORTER
SANJANA PATEL	11C	STUDENT REPORTER
VANDANA SONDHIYA	11D	STUDENT REPORTER
SUHANA KESARVANI	11B	STUDENT REPORTER
RENUKA CHAKRABORTY	12C	STUDENT REPORTER

ई एक स

हस्तलिखित

पत्रिका

2022-23

श्रीमती प्रभा मिश्रा
(प्राचार्य)
सम्पादक

शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई उच्चतर माध्यमिक कन्याशाला जबलपुर
म. प्र.

संपादक की कलम से

शिक्षा जीवन का अभिन्न अंग है। आदिकाल से शिक्षा में परिवर्तन होते रहे हैं, उसमें बुद्धि के बल पर अन्वेषण, व प्रगति के नित नए आयामों को गति मिली। शिक्षक व शिक्षार्थी के संबंध ही शिक्षण को उत्कृष्ट बनाते हैं।

विद्यार्थी लेखन, चिन्तन, मनन व आचरण से अपना सर्वोपरि विकास कर पायें, आत्म निर्भर व सदाचारी बन मानसिक सबलता को प्राप्त करें - उनके जीवन मूल्यों का क्षेत्र तथ्य ज्ञान से लेकर लक्ष्य प्राप्ति तक फैला हो उनमें कर्तव्य बोध, राष्ट्रप्रेम, ईमानदारी सभी के प्रति आदर भाव, समन्वय हो। शिक्षा जीवन को जीवंत कर स्वतःस्फूर्त बना दे। जहाँ विद्यार्थी के समुन्नत जीवन का मार्ग प्रशस्त हो।

हस्त लिखित पत्रिका के माध्यम से छात्राओं के विचार, आचार, कला, प्रतिभा में निखार आयेगा एवं अपने अनुभव व विचारों की अभिव्यक्ति का अवसर मिलेगा।

संपादकीय टीम का सहयोग व मार्गदर्शन अच्छा है।

राष्ट्र का गौरव बने, आदर्श हो हर बालिका
निस्वार्थ सेवा भावमया, कर्तव्य निष्ठ हो हर बालिका
राष्ट्र का गौरव बने, कर्तव्य पथ पर बढ़ चले
सफलता को प्राप्त कर, उन्नति से फुले फले।

श्रीमती प्रभा मिश्रा
प्राचार्य

Interview

EFA School Reporter Sachi Gautam with
DSP Ankita Ji (Crime Branch , Jabalpur)

साक्षात्कार

आँखों में आत्म विश्वास की चमक, चेहरे पर कर्मशीलता का संतोष, वाणी में दृढ़ता उनकी पहचान है जो अपना रास्ता स्वयं चुनते हैं और स्वयं गढ़ते हैं अपना भविष्य आप जैसी कर्तव्य निष्ठ ईमानदार महिला को देखकर हमारे मन में भी आप जैसा बनने का जज़्बा उभर आता है। मैडम मैं भी आप जैसा बनना चाहती हूँ, इसलिए आपके विचार व जीवन शैली तथा अनुभवों को जानना चाहती हूँ क्या आप मुझे अपना साक्षात्कार देंगी।

छात्रा – मैडम आपने कहाँ तक शिक्षा प्राप्त की?

अंकिता मैडम – मैंने बी.ई. (इलैक्ट्रॉनिक्स) में इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी अहिल्या यूनिवर्सिटी इंदौर से किया है। उसके बाद एम.ए (पब्लिक-एडमिन) से किया है।

छात्रा – आपको अपना लक्ष्य पाने के लिए कितनी मेहनत करनी पड़ी और किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

अंकिता मैडम – अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम के साथ जीवन में धैर्य, अपने लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पण, ईमानदारी व स्वयं पर विश्वास बहुत महत्व रखता है।

कठिनाईयाँ :-

- तैयारी के समय सामाजिक दबाव।
- परिवार के साथ समन्वय बनाना।

अंकिता D.S.P क्राइम ब्रान्च जबलपुर का का साक्षात्कार लिया शची गौतम ने।

छात्रा – आपने इस पद पर रहकर अपने कार्य को वरीयता दी आपने विकास के किन कार्यों को पूर्ण किया?

अंकिता मैडम – पद पर रहते हुए, जो महत्वपूर्ण उद्देश्य यही रहता है कि लोगों को न्याय मिल सके।

1) हमारे पास आने वाले पीड़ित की शिकायत पर उचित कार्यवाही
2) उनकी प्रभावशील काउंसलिंग
3) महिलाओं, बच्चों व साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान का हिस्सा बनना।
4) समय-समय पर स्कूल कॉलेजों में बच्चों के साथ संपर्क।

छात्रा – आम लोगों की समस्याओं का निराकरण आप कैसे करती हैं?

अंकिता मैडम – हमारे पास आने वाले हर व्यक्ति व पीड़ित व्यक्ति को उचित न्याय व वैधानिक कार्यवाही।

1) महिलाओं व बच्चों के प्रति संवेदनशील रहकर तत्काल कार्यवाही
2) अपना कार्य ईमानदारी पूर्वक करना।

छात्रा – आपके प्रभावी व्यक्तित्व को देखकर लगता है आपका रुझान कला की ओर है, अगर यह सच है तो आपकी अभिरुचियाँ कौन-सी हैं?

अंकिता मैडम – मेरी रुचि चित्रकला में है, पेंटिंग करके मुझे मानसिक शांति मिलती है।

छात्रा – आप आनेवाली पीढ़ी को क्या संदेश देना चाहेंगी?

अंकिता मैडम – मैं यही कहना चाहूँगी कि लक्ष्य निर्धारित कर ईमानदारी, दृढ़ता, धैर्य व लगन से उसे पाने में जुट जाएँ मोबाइल से दूरी बनाएँ, माता-पिता शिक्षकगणों का आदर कर राष्ट्र की उन्नति में अपना योगदान दें।

शची गौतम
10वीं (द)

कविता — स्वरचित

देखो बादल घिर आये हैं

देखो बादल घिर आये हैं
नन्हीं बूँदें बरसाये हैं।

भीग गया सारा घर आँगन
भीग गया अपना उपवन
हरे - भरे सब पेड़ हो गए
ये हरियाली लाये हैं।

कोयल कूक रही खुश होकर
पत्ते गाते स्वर भर - भर
धरती ने श्रृंगार किया है
सारा जग हर्षाये है।

प्यासे बुझेंगी अब जन - मन की
आस लिए हैं ये जीवन की
आकुल व्याकुल थे नर - नारी
अब सब जन मुस्काये हैं।

नाम - हंसिका मिश्रा
कक्षा - नवमी (अ)

जुलाई "कहानी पूरी करो"

संवेदना

आज स्कूल मे एक प्रतियोगिता आयोजित करने की तैयारियाँ चल रही है। सभी बच्चे बहुत खुश थे। मैडम ने प्रार्थना सभा मे कहा था कि बच्चो आज हमारे स्कूल में एक अनोखी प्रतियोगिता का आयोजन है, इसे जीतने वाले को बहुत आकर्षक ईनाम दिया जायेगा और यह प्रतियोगिता है एक दिव्यांग छात्र की जो असामान्य रुप से शारीरिक अक्षमता व रोग से पीड़ित थी। उसके शरीर का निचला धड़ निष्प्राण मांस पिण्ड मात्र फिर भी वो सदा उत्फुल्ल रहती थी उनके चेहरे पर विषाद की कोई रेखा तनिक भी नही थी उसके एक अदम्य साहस और उत्कष्ट जीजीविषा थी स्कूल मे एक पेन्टिंग प्रतियोगिता मे उन्होंने अपनी प्रतिभा प्रस्तुत किया। उसने कभी हार नही मानी विकलांग शरीर से अपंग होने पर भी उसने अपने मुँह से पेन्टिंग बनाई उसकी इस अद्भुद अदम्य साहस प्रतिभा को देखकर सब अचम्भित रह गये उन्होंने किसी का सहारा लिए बिना इस प्रतियोगिता मे सफलता प्राप्त की उन्होंने बता दिया कि जिसके मन मे चाह हो वह किसी भी परेशानियाँ का सामना कर सकता है छात्र को देखकर सब अंचम्भित रह गये और छात्र ने प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस छात्र का नाम 'अपराजिता' है जिसने कभी भी हार नही मानी। आज उनकी संवेदना देखकर मैंने जाना ईश्वर ने मुझे स्वस्थ शरीर मुझ पर कितनी कृपा की है। इस कहानी से शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए और हमेशा सभी कठिनाइयों का डटकर सामना करना चाहिए। अपराजिता पर गर्व है कि वो सभी के लिये मिसाल है।

नाम - परी बर्मन

कक्षा - 9th 'अ'

हमारी शाला की N.C.C.

हमारे विद्यालय में 2 MP Girls बटालियन की यूनिट संचालित है जिसमें वर्ष 2021-22 में 50 छात्राएं नामांकित है। N.C.C का उद्देश्य त्याग सेवा व समर्पण है जिसमें छात्राओं को त्याग, सेवा, समर्पण व कर्तव्य निष्ठ की शिक्षा दी जाती है! दिनांक 16-06-2022 में हमारे विद्यालय की दो छात्राएं डिम्पल रेड्डी व निकिता कुशवाहा हिमाचल ट्रेक के लिए गई थी। दिनांक 08-07-2022 से 17-07-2022 तक विद्यालय की "18" छात्राओं के द्वारा शिविर में सम्मिलित होकर सहभागिता प्रदान की गई। छात्रा कु. अनुश्री सोलंकी का चयन फायरिंग कैम्प के लिए हुआ है।

प्राचार्य श्रीमती प्रभा मिश्रा के द्वारा समय-समय पर उचित मार्गदर्शन प्राप्त होता है।

श्रेया पटेल
10th D

शालिनी रजक 11 वी D
MAYANK

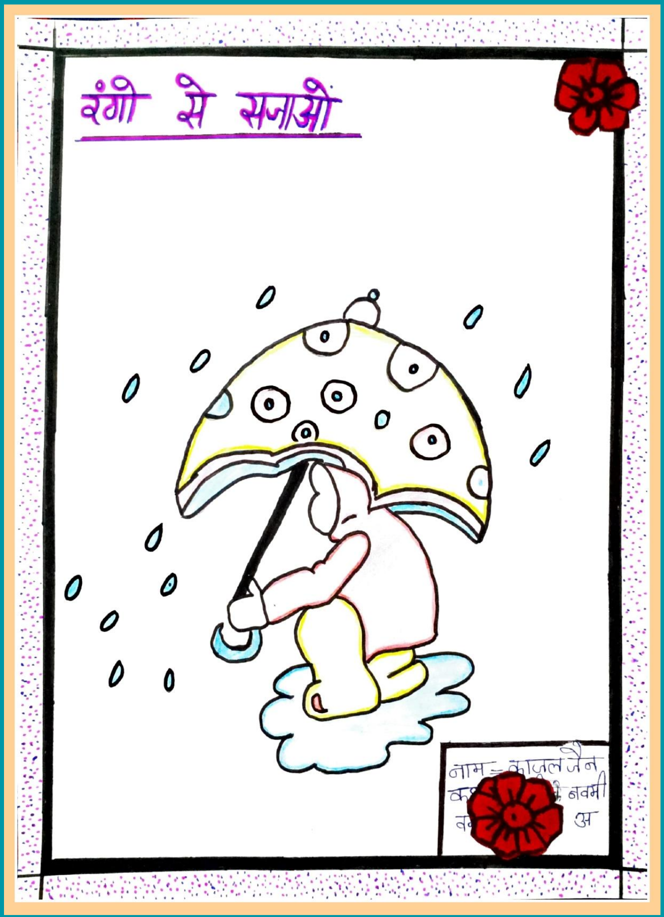

रंगों से सजाओ
नाम - काजल जैन
नवमी
अ

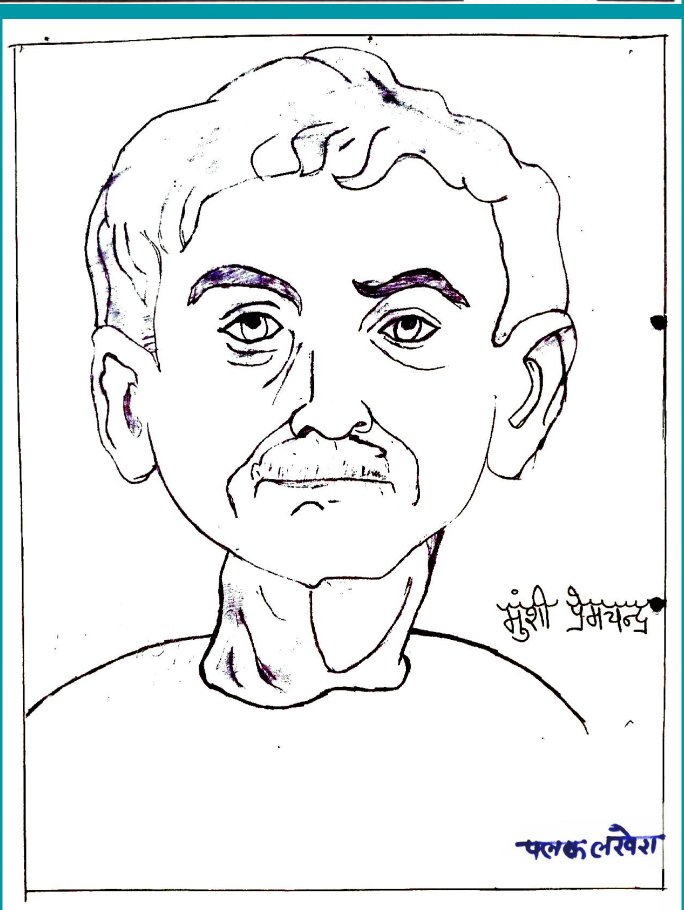

मुंशी प्रेमचन्द्र
पलक लखेरा

डॉ संध्याजैन मॅं

मेरी प्रिय शिक्षिका

मेरी प्रिय शिक्षिका का नाम डॉ. संध्या जैन मैडम है। वे बहुत ही ज्यादा अच्छी है। उनका पढ़ाने का ढंग सबसे अलग सबसे अच्छा है। मैं जब से उस स्कूल से यहाँ आई मुझे संध्या जैन मैम बहुत अच्छी लगी। वे हमे हिन्दी हमें हिन्दी पढ़ाती है। वे बहुत अच्छी हिन्दी पढ़ाती है। उनके बात की व्याख्या करने का तरीका बहुत अच्छा है। उन्होंने आज तक मुझे डांटा नही और अगर डांटा भी हो तो मुझे आज तक बुरा नही लगा। अब मैं ग्यारहवी में हूँ जैन मैम केवल नवमी और दसवी को ही पढ़ाती है। परंतु मुझे अभी - भी नही लगता कि मैं उनसे दूर हुई हूँ। अभी भी मुझे कोई काम होतो है तो मैं उनके पास चली जाती हूँ। वे मुझे कभी महसूस नही होने देती कि वे और हम एक दूसरे से दूर हुए है। मतलब एक तरह से कह सकते है कि वे बहुत ही महान व्यक्तित्व की मनुष्य है। उनका हृदय बहुत बड़ा है। वे अच्छी लेखिका भी है, कवियत्री भी है, और बहुत ही अच्छी शिक्षिका है।

नाम - संजना गुप्ता

XI 'C'

मन की बात

सुख और दुख जीवन के दो पहलू है सुख बाँटने पर दुगुना हो जाता है और दुख आधा हो जाता है। हमारे जीवन में नई-नई समस्याएँ आकर हमारी परीक्षा लेती है आजकल हमारे परिवार को महँगाई बहुत परेशान कर रही है हर वस्तु के मूल्य बढ़ गये है और हमारे पालक की आय उतनी ही है घर में माता-पिता का जीवन संघर्ष देखकर हमें बहुत दुख होता है हम जितना साथ दे सकते है वो करते है अलग से किसी चीज की डिमांड नहीं करते कम से कम में अपना काम चला लेते है हमें लगता है सम्मान पूर्वक दो वक्त की रोटी के लिए भी इतना संघर्ष करना पड़ता है काश हमारे माता-पिता भी अधिक पढ़े होते अच्छी नौकरी कर रहे होते अच्छा वेतन पा रहे होते तो आज इतना संघर्ष नहीं करना पड़ता। मैंने अपनी घर की परिस्थितियों को देखकर समझ लिया है कि शिक्षा का कितना महत्व है। मैं अपने पिताजी से यही कहती हूँ आप चिन्ता मत करिए मैं पढ़लिखकर अच्छी नौकरी कर लूँगी तो अपने घर की सारी समस्याये हल हो जायेंगी अब 5-6 साल और हम सबको साथ रहकर यह कष्ट उठाने है पर सब साथ है तो कोई गम नहीं है।

वन्दना सोंधिया
11वीं 'ए'

मेरी कक्षा सबसे अच्छी

हम सभी इस बात से अवगत हैं कि सभी को शिक्षा अनिवार्य कर दी गई है। चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या पंथ का हो सभी को इसे ग्रहण करना अनिवार्य है। शिक्षा ग्रहण करने के लिए हम सभी कक्षाओं में बैठते हैं। कक्षा अर्थात जहाँ हमें हमारे घर जैसा वातावरण मिले जैसे घर में हमारे बुजुर्ग शिक्षा देते हैं वैसे ही हमारी कक्षाओं में शिक्षक शिक्षा प्रदान करते हैं। घर में हमारे माता-पिता हमे अच्छी बाते सिखाते हैं, संस्कार देते है उसी प्रकार कक्षाओं में शिक्षिकाये होती है जो हमारे माता-पिता के समान हैं, वे हमें अनुशासन का पालन करना सिखाती हैं। ऐसे ही मेरी भी कक्षा है जहाँ मेरे जैसे ही अन्य बच्चे साथ खेलते हैं, भोजन करते हैं, पढ़ते-लिखते हैं, शिक्षिकाओं का सम्मान करते हैं और उनके दिये आदेशों का पालन करती हैं। कक्षा में मेरी बहुत सारी सहेली हैं, उनमे से एक मेरी पक्की सहेली है। हम दोनों जब भी स्कूल में कार्यक्रम होते तो स्कूल और कक्षा को विशेष रूप से सजाते हैं तथा कक्षा में हर हफ्ते सफाई करते हैं। हम सभी हर-रोज कक्षा में लगे श्यामपट्ट में सुविचार लिखते हैं। हम सभी को शिक्षा ग्रहण करना अति आवश्यक है, क्योंकि बदलती दुनिया में शिक्षा ही महत्वपूर्ण साधन है। इसके लिए हम हर-रोज स्कूल जाकर अपनी कक्षाओं में बैठकर शिक्षा प्राप्त करनी होगी।

नाम:- सेजल वर्मा
कक्षा:- IX 'A'

शिक्षा ही समृद्धि है

सुविचार

Name → Pari Barman
Class → 9th 'A'

- कठनाईयाँ जब आती है तो कष्ट देती है पर जाती है तो आत्मबल का उत्तम उपहार दे जाती है जो उन कष्टों दुखों की तुलना मे हजारों गुना मुल्यवान होता है।
- किसी की सलाह से रास्ते जरूर मिलते हैं पर मंजिल खुद की मेहनत से मिलती है।
- योग्यता कर्म से पैदा होती है।
- हार जाना गलत नहीं है लेकिन हारमान लेना गलत है।
- व्यक्ति को समझदार बनाने में संपत्ति की बजाय विपत्ति का योगदान अधिक होता है।
- आत्मबल शारीरिक बल से अधिक महत्वपूर्ण है।
- मुस्कुराहट कठिन वक्त की श्रेष्ठ प्रक्रिया है।
- सबसे तेज वही चलता है जो अकेला चलता है।
- शिक्षा और संस्कार जीवन के दो मूल मंत्र है।

श्लोक / मुहावरे / लोकोक्ति

- श्लोक -

आलस्यं हि मनुष्याणां, शरीरस्थो महान् रिपुः
नास्त्युद्यम समो बन्धुः, कृत्वा यं नावसीदति ॥

अर्थ- निश्चय ही आलस्य मनुष्यों के शरीर में स्थितसबसे बड़ा शत्रु है। परिश्रम के समान कोई मित्र नहीं है जिससे मनुष्य दुखी नहीं होता।

मुहावरे	अर्थ
हिम्मत न हारना	साहस न छोड़ना
दिन रात एक करना	कठिन परिश्रम करना
बीड़ा उठाना	जिम्मेदारी लेना
सपने साकार करना	आशाएँ पूरी होना

लोकोक्ति	अर्थ
एक अनार सौ बीमार	वस्तु एक चाहने वाले अनेक
कंगाली में आटा गीला	दुख पर और दुख आना
चमड़ी जाये पर दमड़ी न जाए	बहुत अधिक कंजूस
अधजल गगरी छलकत जाय	डींग हाँकना।

शालिनी रजक
11 वी ड

हँसगुल्ले

शिक्षिका – रोशनी क्या तुम सामने वाले खम्भे की सही सही ऊँचाई बता सकती हो

रोशनी = जी अगर बता दी तो आप क्या दोगी

शिक्षिका – सौ रूपये दूँगी

रोशनी – मैम इसकी आधी ऊँचाई की एक दम दुगुनी कीजिए सही ऊँचाई आ जाएगी।

अध्यापिका – पलक बताओ दिन मे तारे कब नजर आते हैं

पलक – मैम जब होमवर्क न करने पर गाल पर तमाचे पड़ते है तब दिन मे तारे नजर आते है।

नाम : नंदनी साहू
कक्षा – 9 वी "अ"

दादी माँ के नुस्खे

- तुलसी पत्ते और अदरख की चाय
  सर्दी जुकाम भगाये।
- सुबह - सुबह पाँच पत्तियाँ तुलसी की खाने से
  लीवर ठीक रहता है।
- दिल की बीमारियों से बचने का माध्यम है
  प्याज जो खून में कोलेस्ट्राल का स्तर सही
  रखता है।
- दो या तीन पके टमाटर का सेवन करने से
  बच्चों का विकास तेजी से होता है।
- आम में पर्याप्त आयरन होता है इन्हें
  खाने से शरीर मजबूत होता है।
- अदरक त्वचा को आकर्षित व
  चमकदार बनाने में मदद करता है
  यात्रा पर जाने से पहले थोड़ा अदरख लेने से
  सफर में होने वाली परेशानियों से बच
  सकते हैं।

नाम - तेजवती पटेल
कक्षा - नवमी "अ"

भारत के वीर
पं चन्द्रशेखर आजाद

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी चन्द्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई 1906 को म.प्र. के भावरा गाँव जिला अलीराजपुर में हुआ था।

1922 में गाँधी जी के असहयोग आंदोलन बन्द करने पर उनकी विचार धारा में बदलाव आया। उन्होंने 9 अगस्त 1925 को राम प्रसाद बिस्मिल के साथ काकोरी कांड किया 1927 में हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिक एसोसिएशन का गठन किया तथा भगतसिंह के साथ लाहौर में लाला लाजपत राय की मौत का बदला सॉण्डर्स की हत्या करके लिया एवं दिल्ली पहुँचकर 8 अप्रैल 1929 को असेम्बली बम काण्ड को अंजाम दिया।

आजाद एक प्रखर देशभक्त थे। उन्होंने वीरता की नई परिभाषा लिखी उनसे प्रेरणा लेकर हजारों युवक स्वतंत्रता आन्दोलन में कूद पड़े थे।

27 फरवरी 1931 को प्रयागराज के एक पार्क में यह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भारत माता का जीवट सपूत शहीद हो गया।

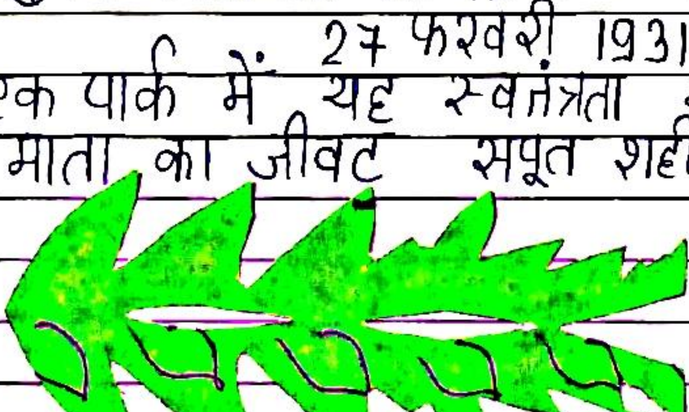

सुहाना केशरवानी
11वीं "ब"

EFA School Media Sheet

गुरु पूर्णिमा

गुरु ही ब्रम्हा है, गुरु ही विष्णु है

गुरु चरणों में शीश झुकाना हमारा प्रथम कर्तव्य है, गुरु की महिमा अपरंपार है। गुरु ही हमारे जीवन में शिक्षा और ज्ञान का प्रकाश भरकर व्यक्तित्व निखारते हैं।

गुरु शब्द में "गु" का अंधकार और "रु" का अर्थ प्रकाश की ओर ले जाने वाला मार्गदर्शक होता है।

गुरु का महत्व बताना सूरज को दीपक दिखाने जैसा है, गुरु की महिमा को शब्दों में नहीं बाँधा जा सकता।

भारतीय संस्कृति में गुरु के पद को सर्वोच्च और अत्यंत ही आदर का प्रतीक माना गया है। हमारे जीवन में हमारी पहली गुरु हमारी माँ होती है, जो हमें चलना, पढ़ना, आगे बढ़ना सिखाती है संस्कार देती है इसके बाद हमारे अध्यापक गण जो हमारे गुरु हैं हमें योग्य बनाते हैं। इन सबके अतिरिक्त जिनसे भी हम कुछ सीखते हैं वो सभी हमारे गुरु हैं।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मैं जगत के सभी सद्गुरुओं को भाव सहित वंदन करती हूँ।

नाम - शची गौतम
कक्षा - दसवीं
वर्ग - 'द'

उपन्यास सम्राट
मुंशी प्रेमचंद

प्रेमचन्द का जन्म सन् 1880 में बनारस के लमही गाँव में हुआ था। उनका मूल नाम धनपत राय था। प्रेमचन्द का बचपन अभावों में बीता और शिक्षा बी. ए. तक ही हो पाई। उन्होंने शिक्षा विभाग मे नौकरी की परन्तु असहयोग आंदोलन में सक्रिय भाग लेने के लिए सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया और लेखन कार्य के प्रति पूरी तरह समर्पित हो गए। सन 1936 में इस महान कथाकार का देहान्त हो गया।

प्रेमचन्द की कहानियाँ मानसरोवर के आठ भागों में संकलित हैं। सेवासदन प्रेमाश्रम, रंगभूमि, कायाकल्प, निर्मला, गबन, कर्मभूमि, गोदान उनके प्रमुख उपन्यास हैं। उन्होंने हंस, जागरण, माधुरी आदि पत्रिकाओं का संपादन भी किया। प्रेमचन्द के कथा साहित्य का संसार बहुत व्यापक है। उनकी भाषा सरल सजीव एवं मुहावरेदार है।

नाम- पलक लखेरा
कक्षा- 12 वी 'ब'

एक सपना

एक गरीब आदमी था जो बड़े-बड़े पत्थरों को तोड़ता था। उसके घर में उसके अलावा तीन और सदस्य थे। बेचारा बहुत मेहनत करता था और धन कमाकर अपने घर का पालन-पोषण करता था। वह चाहता था कि वह भी एक बड़ा अमीर आदमी बने। बड़ी-बड़ी कारों में घूमे, बड़ी-बड़ी बिल्डिंगों में रहे। अच्छा-अच्छा खाना खाये। बड़े-बड़े लोगों के साथ बातचीत करे। वह यह सोचते-सोचते सो गया उसकी आँख लग गई। वह सपने में देखता है कि उसे एक बिजनेस मैन बनना चाहिए फिर सोचता है कि उसे चिंताए बनना चाहिए जो सबसे ताकतवर है फिर वह देखता है कि चिंता को हँसी रोक देती है। वह सोचता है कि मुझे लोगों की हँसी बननी चाहिए। फिर वह सोचता है कि उस हँसी को आँसू मिटा देते है। वह सोचता है कि मुझे यह सब नहीं बनना चाहिए। कुछ देर बाद उसे पुनः एक सपना आता है वह देखता है कि उसे सूरज बनना चाहिए जो ताकतवर है फिर वह सोचता है कि उस सूरज की रोशनी को और सूरज बनना चाहिए सूरज को बादल ढंक लेते है फिर वह देखता है कि उसे बादल बनना चाहिए लेकिन बादल को भी हवा हटा देती है। वह सोचता है कि उसे हवा बननी चाहिए। फिर वह देखता है कि उस हवा को पहाड़ रोक देते है अब वह देखता है कि मुझे विशालकाय पहाड़ बनना चाहिए। फिर वह देखता है कि पहाड़ को कोई जोर-जोर से तोड़ रहा है। फिर उसे लगता है कि मुझे पहाड़ को तोड़ने वाला बनना चाहिए। फिर एक-दम से वह चकित हो जाता है और सोचता है कि वो आदमी तो मैं ही हूँ जो पहाड़ को तोड़ता है अर्थात मैं सबसे ताकतवर हूँ। मैं सब कुछ कर सकता हूँ। अतः अब से मैं और मेहनत करूँगा और बड़ा आदमी बन कर दिखाऊँगा। इस ज्ञान को कहीं से लेना नहीं पड़ता है ये अपने आप प्रकृति हमें सिखाती है।

निष्कर्ष :- हम सब कुछ कर सकते है, अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मेहनत करनी पड़ेगी। सभी सफलताओं को पूरा करने, अच्छे से जीवन यापन करने का अमृत मंत्र 'मेहनत' ही है।

नाम - प्रियंका राय
कक्षा - 11 वीं 'स'

EFA School Media Center

India's First Media Network For Govt School

- Radio Station
- School TV
- Alumni Network
- Social Media
- Talent Platform
- Website
- EFA Magazine

For Any Feedback On The Content and Format, Please contact our editorial team publication@extrachildhood.com

Published and Designed At EFA School Media Center
Sarojini Naidu School, Shivaji Nagar Bhopal

Email publication@extrachildhood.org
Contact 6264141415

In Association With

एमपीकॉन लिमिटेड
MPCON
LIMITED
भारत सरकार का उपक्रम

Powered By

EXTRA CHILDHOOD